CHAPTER 15

चार्ली चैपलिन यानि हम सब

PAGE 125, अभ्यास - पाठ के साथ

12:1:15: प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ:1

लेखक ने ऐसा क्यों कहा है कि अभी चैप्लिन पर करीब 50 वर्षों तक काफी कुछ कहा जाएगा?

उत्तर: चैपलिन पर करीब 50 वर्षों तक काफी कुछ कहा जाएगा इसके निम्नलिखित कारण हैं;

1. विकासशील देशों में जैसे-जैसे टेलीविज़न और वीडियो का प्रसार हो रहा है,एक नया दर्शक वर्ग चार्लीचैपलिन की फ़िल्में देखने के लिए तैयार हो रहा है।
2. चैपलिन की कुछ ऐसी फ़िल्में या अबतक इस्तेमाल न की गई रीलें भी मिली हैं जिनके बारे में अभी कोई कुछ जानता ही नहीं, उन्हें अद्यतन करके शायद देखने योग्य बना लिया जाये।
3. पश्चिमी देश बार-बार चैपलिन के बारे में विचार करने के लिए नए दृष्टिकोण अपनाता रहता है और इसलिए

चैपलिन पुनर्जीवित होने की प्रक्रिया में हमेशा बना रहता है।

12:1:15:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:2

चैप्लिन ने न सिर्फ़ फ़िल्म-कला को लोकतांत्रिक बनाया बल्कि दर्शकों की वर्ग तथा वर्ण -व्यवस्था को तोड़ा। इस पंक्ति में लोकतांत्रिक बनाने का और वर्ण -व्यवस्था तोड़ने का क्या अभिप्राय है? क्या आप इससे सहमत हैं?

उत्तर: फिल्म कला को लोकतांत्रिक बनाने का मतलब है इसे सभी के लिए लोकप्रिय बनाना और वर्ग और वर्ण व्यवस्था को तोड़ना: समाज में अमीर और गरीब, वर्ग, जाति और धर्म के बीच भेदभाव को समाप्त करना। दर्शकों के बीच चार्ली चैपलिन ने वर्ग और वर्ण व्यवस्था को तोड़ दिया। इससे पहले, फिल्म निर्माता जाति, धर्म समूह या वर्ण के लिए फिल्में बनाते थे। कुछ कलात्मक फ़िल्में भी बनीं। लेकिन उनकी अपनी एक विशेष श्रेणी के दर्शक भी थे। लेकिन चैपलिन की तरह की फिल्मों ने आम लोगों को खुश कर दिया।

चैप्लिन का करिश्मा यह है कि उन्होंने बिना किसी भेदभाव के लोगों तक फिल्म कला को पहुंचाया। आम आदमी को अपनी फिल्मों में जगह दी, इसलिए उनकी फिल्में समय, भूगोल और संस्कृतियों की सीमाओं को पार करके सार्वभौमिक लोकप्रियता के शिखर पर पहुंच गईं। उन्होंने साबित किया कि कला स्वतंत्र है और अपने स्वयं के सिद्धांत बनाती है। कला के एकाधिकार को समाप्त करने का श्रेय चार्ली चप्लिन को जाता है।

12:1:15:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:3

लेखक ने चार्ली का भारतीयकरण किसे कहा और क्यों ? गांधी और नेहरू ने भी उनका सान्निध्य क्यों चाहा?

उत्तर: लेखक विष्णु खरे ने चार्ली की फिल्म करण राज कपूर की "आवारा" कहा। राज कपूर ने भारतीय फिल्मों में पहली बार नायक को हँसाया, जिसमें नायक ने खुद को हँसाया। यह निस्संदेह चार्ली का प्रभाव था। लोगों ने चार्ली की नकल करने का आरोप लगाया। लेकिन उन्होंने कभी इसकी परवाह नहीं की। महात्मा गांधी भी चार्ली की तरह खुद पर हंसना जानते थे और हंसते थे। वह चार्ली की खुद पर हंसने की कला से मोहित हो गए थे।

12:1:15:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:4

लेखक ने कलाकृति और रस के संदर्भ में किसे श्रेयस्कर माना है और क्यों? क्या आप कुछ ऐसे उदाहरण दे सकते हैं जहाँ कई रस साथ-साथ आए हों?

उत्तर: लेखक कलाकृति और रस के संदर्भ में रस को श्रेष्ठ मानता है। यदि एक कलाकृति कई रसों को एक साथ मिलाती है, तो यह समृद्ध और दिलचस्प हो जाती है। उदाहरण के लिए, हम एक पेंटिंग देखते हैं जिसमें एक बच्चा अपनी माँ की गोद में एक पैर फेंकता है और माँ का दूध पी रहा है। उस तस्वीर को देखते हुए, हम महिला के चेहरे पर पहुँचते हैं, हम पाते हैं कि उसके बाल बिखरे हुए हैं, आँखें रो रही हैं, माथा पोंछा हुआ है, उसका चेहरा गिरा हुआ है, बाजू में टूटी हुई चूड़ियाँ और दरवाज़े के बाहर एक बहुत छोटी सी आकृति है। जो बारीकी से देखने पर, स्पष्ट है कि किसी अर्थी की सजावट की जा रही है। कई रसों और कई भावों को भरकर चित्रकार ने अपनी कला को इतना करुण और मार्मिक बना दिया।

वात्सल्य से करुण तक और करुण से लेकर विबाहत तक ले जाने में उन्होंने जो कला दिखाई, वह इस कथन को सिद्ध करती है।

12:1:15:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:5

जीवन की जद्दोजहद न चार्ली के व्यक्तित्व को कैसे संपन्न बनाया?

उत्तर: चार्ली का बचपन संघर्षों और अभाव में बीता था। वे पिता से अलग हो गए थे तथा उनकी माता दूसरे दर्जे की अभिनेत्री थी। बचपन उन्होंने बहुत गरीबी में बिताया था। सामाजिक तिरस्कार के बाद भी दृढ रूप से मजबूत रहना चार्ली के वश की ही बात थी।

12:1:15:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:6

चार्ली चैप्लिन की फिल्मों में निहित त्रासदी /करुणा/हास्य का सामंजस्य भारतीय कला और सौंदर्यशास्त्र की परिधि में क्यों नहीं आता?

उत्तर: भारतीय कला में रस महत्वपूर्ण हैं इसलिए चार्ली चैपलिन के द्वारा बनाई गयी फिल्मों में निहित त्रासदी, करुणा तथा हास्य का सामंजस्य भारतीय कला और सौंदर्यशास्त्र के दायरे में नहीं आता है। भारतीय फिल्मों में भी करूँ रस तथा हास्य रस एक साथ नहीं आते है।

12:1:15:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:7

चार्ली सबसे ज़्यादा स्वयं पर कब हँसता है?

उत्तर: चार्ली सबसे ज़्यादा तब हँसता है जब वह स्वयं को गर्वोन्नत, आत्म-विश्वास सेभरा, सफलता, सभ्यता, संस्कृति और समृद्धि की प्रतिमूर्ति, दूसरों से अधिक शक्तिशाली और श्रेष्ठ, अपने 'वज्रादपिकठोराणि' अथवा 'मृदुनिकुसुमादपि' क्षण में देखता है।

PAGE 125, अभ्यास - पाठ के आसपास

12:1:15:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:1

आपके विचार से मूक और सवाक् फ़िल्मों में से किसमें ज़्यादा परिश्रम करने की आवश्यकता है और क्यों?

उत्तर: मूक फिल्मों को अधिक परिश्रम की आवश्यकता होती है क्योंकि भाषण फिल्मों में अभिनेताओं के पास अभिव्यक्ति के लिए दो उपकरण होते हैं: दृश्य और श्रव्य, जिसका अर्थ है कलाकार अपने हाव-भावों के साथ-साथ शब्दों और अपनी आवाज के माध्यम से अपने भावों को स्पष्ट कर सकते हैं। है। लेकिन मूक फिल्मों में, कलाकार को अपनी सारी भावनाओं को केवल अपने शारीरिक इशारों के माध्यम से व्यक्त करना पड़ता है, जो इतना सरल नहीं है।

12:1:15:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:3
चार्ली हमारी वास्तिवकता है, जबकि सुपरमैन स्वप्न आप इन दोनों में खुद को कहाँ पाते हैं?

उत्तर: मैं इन दोनों में अपने आप को चार्ली के निकट ही पाता हूँ, क्योंकि एक आम इंसान होने के कारण स्वप्न देखकर भी हम सदा बेचारे और लाचार ही रहते हैं

12:1:15:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:5

आजकल विवाह आदि उत्सव, समारोहों एवं रेस्तराँ में आज भी चार्ली चैप्लिन का रूप धरे किसी व्यक्ति से आप अवश्य टकराए होंगे। सोचकर बताइए कि बाज़ार ने चार्ली चैप्लिन का कैसा उपयोग किया है?

उत्तर: बाज़ार ने चार्ली का उपयोग अपने ग्राहकों को लुभाने और हँसी-मज़ाक के प्रतीक के रूप में किया है।

PAGE 126, अभ्यास - भाषाकीबात

12:1:15:प्रश्न - अभ्यास - भाषाकीबात:1

तो चेहरा चार्ली-चार्ली हो जाता है। वाक्य में चार्ली शब्द की पुनरुक्ति से किस प्रकार की अर्थ-छटा प्रकट होती है? इसी प्रकार के पुनरुक्त शब्दों का प्रयोग करते हुए कोई तीन वाक्य बनाइए। यह भी बताइए कि संज्ञा किन स्थितियों में विशेषण के रूप में प्रयुक्त होने लगती है?

उत्तर: इस वाक्य में **"चार्ली"** शब्द एक सामान्य वास्तविकता का बोध कराता है।

पुनरुक्ति वाले वाक्य निम्नलिखित हैं:

1. आज हुई दुर्घटना में सब **"बाल-बाल"** बचे ।
2. टॉमी तो हमेशा **"बैठे-बैठे"** ही सो जाता है ।
3. बेचारा कबूतर पानी के बिना **"तड़प-तड़प"** कर मर गया ।

12:1:15:प्रश्न - अभ्यास - भाषाकीबात:2

नीचे दिए वाक्यांशों में हुए भाषा के विशिष्ट प्रयोगों को पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

(क) सीमाओं से खिलवाड़ करना

(ख) समाज से दुरदुराया जाना

(ग) सुदूर रूमानी संभावना

(घ) सारी गरिमा सुई-चुभे गुब्बारे जैसे फुस्स हो उठेगी।

(ङ) जिसमें रोमांस हमेशा पंक्चर होते रहते हैं।

उत्तर:

(क) चार्ली की फिल्में समय, भूगोल और संस्कृतियों की सीमाओं को पार करके सार्वभौमिक लोकप्रियता प्राप्त करती हैं और पूरी दुनिया में देखी जाती हैं।

(ख) चार्ली की गरीबी के कारण उन्हें समाज द्वारा अस्वीकार कर दिया गया था।

(ग) चार्ली की दादी एक खानाबदोश समुदाय से थी। जिसके आधार पर लेखक कल्पना करते हैं कि चार्ली के पास उसी कारण से कुछ भारतीयता है। क्योंकि यूरोप में जिप्सी जाति भारत से आई थी।

(घ) यहाँ चार्ली के गरिमापूर्ण जीवन को मखौल का रूप लेना है।

(ङ) यहाँ रोमांस को एक हास्यास्पद घटना में बदलना है।